Bihar Board Class 8 Social Science Important Questions Civics Chapter 5 न्यायपालिका

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
भारत में सबसे पहले उच्च न्यायालय की स्थापना कहाँ-कहाँ की गयी?
उत्तर:
कलकत्ता, बम्बई और मद्रास में।

प्रश्न 2.
दिल्ली उच्च न्यायालय की स्थापना कब की गई?
उत्तर:
1966 में।

प्रश्न 3.
भारत में कुल कितने उच्च न्यायालय हैं?
उत्तर:
25 उच्च न्यायालय हैं।

प्रश्न 4.
तेलंगाना का उच्च न्यायालय कहाँ स्थित है?
उत्तर:
तेलंगाना का उच्च न्यायालय हैदराबाद में स्थित है।

प्रश्न 5.
तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश में अलग-अलग उच्च न्यायालय कब से हैं?
उत्तर:
1 जनवरी, 2019 से तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में अलग-अलग उच्च न्यायालय हैं।

प्रश्न 6.
1 नवम्बर, 2019 की स्थिति के अनुसार देश के उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के कितने पद रिक्त हैं?
उत्तर:
424 पद रिक्त हैं।

evidyarthi

प्रश्न 7.
स्वतन्त्र न्यायपालिका से क्या आशय है?
उत्तर:
स्वतन्त्र न्यायपालिका से यह आशय है कि न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधानपालिका के दखल से स्वतन्त्र है।

प्रश्न 8.
फौजदारी कानून किन क्रियाओं से सम्बन्धित है?
उत्तर:
फौजदारी कानून ऐसे व्यवहार या क्रियाओं से सम्बन्धित है जिन्हें कानून में अपराध माना गया है, जैसेचोरी, दहेज हत्या आदि।

प्रश्न 9.
क्या हर व्यक्ति अदालत की शरण में जा सकता है?
उत्तर:
अदालत की सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हैं।

प्रश्न 10.
सर्वोच्च न्यायालय ने जनहित याचिका की व्यवस्था किस उद्देश्य से की है?
उत्तर:
गरीब आदमी की मुश्किल को देखते हुए उन्हें इन्साफ देने हेतु सर्वच्च न्यायालय ने जनहित याचिका की व्यवस्था विकसित की है।

प्रश्न 11.
भरत की न्यायपालिका के महत्त्व का एक बिन्दु बताइए।
उत्तर:
न्यापालिका ने कार्यपालिका और विधायिका की शक्तियों प अंकुश लगाया है और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
स्वान्त्र न्यायपालिका क्या होती है?
उत्तर:
स्वतन्त्र न्यायपालिका से आशय यह है कि सरकार के अन्य अंग, जैनै विधायिका और कार्यपालिका, न्यायपालिका के कार्य में बाधा नहीं डाल सकते। यह कार्यपालिका और व्यवस्थापिका के नियन्त्रण से मुक्त होती है। इसे अपने कार्य की शक्तियाँ सेधे संविधान से मिलती हैं। साथ ही न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति तथा विमुक्ति में भी सरकार की अन्य शाखाओं का कोई दखल नहीं होता है।

प्रश्न 2.
अधीनस्थ न्यायालय से क्या आशय है?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

जिन अदलतों से लोगों का सबसे ज्यादा ताल्लुक होता है, उन्हें अधीनस्थ न्यायालय या जिला अदालत कहा जाता है। ये अदालतें प्रायः जिले या तहसील के स्तर पर या किसी शहर में होती हैं। ये बहुत तरह के मामलों की सुनवाई करते हैं। प्रत्येक राज्य जिलों में बँटा होता है और हर जिले में एक जिला न्यायालय होता है।

प्रश्न 3.
विधि व्यवस्था की विभिन्न शाखाएँ कौनसी हैं?
उत्तर:
विधि व्यवस्था की दो प्रमुख शाखाएँ हैं-(1) फौजदारी कानून और (2) दीवानी कानून। यथा-

(1) फौजदारी कानून-फौजदारी कानून ऐसी क्रियाओं से सम्बन्धित है जिन्हें कानून में अपराध माना गया है, जैसेचोरी, दहेज के लिए औरत को तंग करना, हत्या आदि।

(2) दीवानी कानून-दीवानी कानून का सम्बन्ध व्यक्ति विशेष के अधिकारों के उल्लंघन या अवहेलना से होता है। जैसे-जमीन की बिक्री, चीजों की खरीददारी, किराया, तलाक आदि से सम्बन्धित विवाद।

प्रश्न 4.
क्या हर व्यक्ति अदालत की शरण में जा सकता है?
उत्तर:
सिद्धान्ततः भारत के सभी नागरिक देश के न्यायालयों की शरण में जा सकते हैं अर्थात् प्रत्येक नागरिक को अदालत के माध्यम से न्याय माँगने का अधिकार है। अदालत की सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन व्यवहार में गरीबों के लिए अदालत में जाना काफी मुश्किल साबित होता है। कानूनी प्रक्रिया में न केवल काफी पैसा और कागजी कार्यवाही की जरूरत पड़ती है, बल्कि उसमें समय भी बहुत लगता है। गरीब आदमी पड़ना-लिखना नहीं जानता और न उसके पास अदालत जाने व इन्पाफ पाने के लिए समय होता है। इसलिए उसे अदालत की शरण में जाने में मुश्किल होती है।

गरीबों की इस स्थिति को समझते हुए 1980 के दशक से सर्वोच्च न्यायालय ने 'जनहित याचिका' की व्यवस्था के द्वारा उसके लिए यायालय में जाने को सुगम बना दिया है।

प्रश्न 5.
भारत के यायालयों में न्यायाधीशों के पदों की वर्तमान स्थिति ताम्किा बनाकर दर्शाइये।
उत्तर:
भारतीय न्यायलयों में न्यायाधीशों की संख्या

न्यायालय का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
उच्चतम न्यायालय	34	34	0
उच्च न्यायालय	1,079	655	424
जिला और अधीनस्थ न्यायालय	20,644	17,509	5,135

https://www.evidyarthi.in/